IAS PCS

सरस्वती

Test-5

POL. SCIENCE

Name of Candidate	RAMSINGH GURJAR		
Medium Eng./Hindi	हिन्दी	Date	16/09/17
Mob. No.	9821041062	Roll. No.	0196647

Time Allowed: Three Hours **INSTRUCTIONS** **Max. Marks: 250**

- उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।
- Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.
- दो खंडों में कुल **आठ प्रश्न** दिए गए हैं जो हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
- There are **Eight Question** divided in Two Sections and printed both in Hindi and In English.
- उम्मीदवार को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
- Candidate has to attempt **FIVE** Question in all.
- प्रश्न संख्या 1 एवं 5 अनिवार्य हैं, तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खंड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- Qusetion No. **1 and 5** are compulsory and out of the remaining. **Three** are to be attempted choosing at least. **One** question from each Section.
- प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- The number of marks carried by a question/part is in dicated against it.
- प्रश्नों में शब्द सीमा, जहां विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Word limit in questions, if specified, Should be adhered to.
- उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Ques tion cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

सरस्वती IAS

A-20, 102 First Floor, Indraprasth Tower (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 09

Ph. 011-27651250, 09899156495

E-mail : saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

1. Comment on the following in about 150 words each.

(a) Doklam issues and India-China relation. 10

डोकलाम मुद्दा तथा भारत-चीन संबंध।

21वीं सदी की विश्व व्यवस्था में एशिया शक्ति केन्द्र के रूप में उभर रहा है। एशिया में वर्चस्व के लिए भारत-चीन प्रतिस्पर्धा जारी है। वर्तमान डोकलाम विवाद इन्हीं वैश्विक परिस्थितियों में भू-राजनीतिक संघर्ष की उपज है।

- डोकलाम भारत-चीन एवं भूटान के ट्राइ जंक्शन पर स्थित पठार है। यह भारत के लिए सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है।

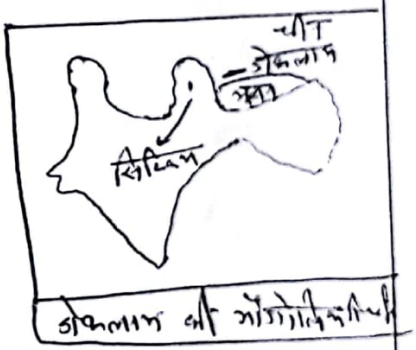

डोकलाम की भौगोलिक स्थिति

- चीन द्वारा डोकलाम में सड़क निर्माण को लेकर गतिरोध हुआ। यह भारत-भूटान मैत्री संधि का उल्लंघन है तथा भूटान की संप्रभुता का चीन द्वारा अतिक्रमण है।

- भारत चीन सीमा विवाद नया नहीं है तथा यह मुद्दा तात्कालिक परिस्थितियों की

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

उपज न होना विद्यमान अन्य तनावों का परिणाम है
चीन की विस्तारवादी नीति का विरोध
. भारत चीन की विस्तारवादी नीति का विरोध करता रहा है तथा चीन भारत के विरुद्ध पाक को (संयुक्त राष्ट्र संघ में मसूद अजहर तथा NSG के मुद्दे) समर्थन देता रहा है।

दोनों देशों के बीच तनाव साझा हितों के विपरित है इसलिए वर्तमान में भारत ने चीन पर कूटनीतिक विजय के रूप में डोकलाम विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकाल लिया है।

1. (b) India's Afghanistan policy and Pakistan. 10

भारत की अफगान नीति और पाकिस्तान।

एशिया में अफगानिस्तान की अवस्थिति केन्द्रीय है तथा यह भारत को पश्चिम एशिया, व मध्य एशिया से जोड़ता है। भारत-पाक संबंधों में अविश्वास (trust deficit) के चलते अफगानिस्तान का भारत के लिए सामरिक एवं भू-आर्थिक महत्व बढ़ जाता है।

भारत की अफगानिस्तान नीति:

• भारत अफगानिस्तान में शांति एवं

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

स्थायित्व चाहता है। इसके लिए भारत अफगानिस्तान में महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं का विकास कर रहा है जैसे - डेलाराम - जरांज राजमार्ग तथा सलमा डैम आदि।

• भारत अफगानिस्तान में सॉफ्ट पॉवर बढ़ाकर वैचारिक एवं सांस्कृतिक कूटनीतिक बढ़त हासिल करना चाहता है।

• पाकिस्तान अफगानिस्तान में तालिबान की भूमिका चाहता है तथा रूस एवं चीन के साथ मिलकर तालिबान का समर्थन कर रहा है। भारत इसके खिलाफ है तथा बुरे एवं अच्छे तालिबान में अंतर न कर अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार एवं राजनीतिक स्थायित्व का समर्थक है।

भारत की अफगान नीति पाकिस्तान पर दबाव डालने की रही है इसलिए भारत बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन का मुद्दा उठा रहा है। इसी पाकिस्तान पर दबाव बनाकर एशिया में भारत कूटनीतिक बढ़त हासिल कर रहा है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com
Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

1. (c) India's response on "One Belt One Road" Initiative.
'वन बेल्ट वन रोड' परियोजना पर भारत की पहल।

संप्रति वैश्वीकरण के दौर में भू-अर्थ का महत्व बढ़ गया है तथा निम्न राजनीति (निवेश, व्यापार, विकास) प्रभावी हो रही है। प्रकार्यवादियों (डेविड मित्रानी) के अनुसार आर्थिक संबंध ही राष्ट्र-राज्य संबंधों को प्रेरित कर रहे हैं।

वन बेल्ट वन रोड परियोजना चीन की दक्षिण एशिया को अफ्रीका तथा यूरोप से स्थलीय एवं समुद्री मार्ग से जोड़ने की पहल है जिसके आर्थिक एवं सामरिक निहितार्थ हैं।

भारत की पहल:

- भारत ने वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट में शामिल न होने का फैसला किया है। वन बेल्ट वन रोड का चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भारत के पाक अधिकृत कश्मीर (PoK) से होकर गुजरता है। भारत इसे अपनी संप्रभुता का हनन मानता है; साथ ही वन बेल्ट वन रोड को चीन की विस्तारवादी नीति का ही हिस्सा मानता है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www...

Scanned by CamScanner

इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

भारत ने प्रतिक्रिया स्वरूप निम्न कदम उठाए हैं –

- जापान के सहयोग से एशिया - अफ्रीकी ग्रोथ कोरिडोर के निर्माण की योजना
- ITI- DKD-Y गलियारा - दिल्ली से रंगून तक रेलवे कोरिडोर का निर्माण
- वन बेल्ट वन रोड़ परियोजना की मीटिंग में शामिल न होकर राजनीतिक विरोध आदि।

भारत को आर्थिक विकास पर ध्यान केन्द्रित कर एशिया में चीन को संतुलित करने पर बल देना होगा जिसके लिए जापान अमेरिका सहयोग अपेक्षित है।

10

1. (d) SCO and India-Pakistan relation.
भारत-पाकिस्तान संबंध ~~और~~ शंघाई सहयोग संगठन।

भारत -पाक संबंधों में परंपरागत रूप से अविश्वास (trust deficit) रहा है; इन्हीं के चलते क्षेत्रीय एकीकरण एवं आर्थिक विकास के प्रयास दक्षिण एशिया में सफल नहीं रहे हैं (सार्क की विफलता)।

शंघाई सहयोग संगठन चीन केन्द्रित विश्व व्यवस्था का परिणाम है। इस संगठन में चीन का प्रभुत्व है तथा मध्य एशियाई देशों; रूस, पाकिस्तान व भारत के रूप में

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

यह संगठन एशियाई राजनीतिक शक्ति को बढ़ा रहा है।

SCO का भारत - पाक संबंधों पर प्रभाव:

• रूस व चीन के माध्यम से यह भारत - पाक वार्ता का एक मंच प्रदान करता है परन्तु भारत - चीन विवाद तथा चीन - पाक गठबंधन के परिणामस्वरूप सकारात्मक प्रभावों की उम्मीद कम है।

• चीन - रूस - भारत व पाक एशिया के महत्वपूर्ण देश है। अतः सहयोग एवं आर्थिक लाभ पर आधारित साझा हितों (नॉन जीरो सम गेम) के चलते यह संगठन पश्चिमी देशों के प्रभुत्व को चुनौती दे सकता है ताकि सदस्य देशों में सहयोग कुछ हद तक पाक - भारत तनाव कम करने में सहायक हो सकता है।

SCO से भारत मध्य एशियाई देशों तक पहुँच सुनिश्चित कर एक्सटेंडेड स्ट्रेटेजिक नेबरहुड पॉलिसी को मजबूत करने में सहायक होगा।

Scanned by CamScanner

1. (c) Changing Pattern of India's foreign policy in the 21st century.
21वीं सदी में भारत की विदेश नीति में बदलाव।

भारत की विदेश नीति घरेलू तथा वैश्विक परिस्थितियों की उपज रही है। 21वीं सदी में भारत की विदेश नीति विचारधाराओं से प्रभावित न होकर व्यवहारिक (Pragmatic) रही है।

- 21वीं सदी में भू-राजनीति (भू-अर्थ का बढ़ता महत्व) की प्रभाविता ने भारत की विदेश नीति को प्रभावित किया है तथा पड़ोसी देशों एवं महाशक्तियों से आर्थिक संबंधों के विकास पर बल दिया है।

- भारत ने सामरिक स्वायत्तता (बहुसंरेखता) को महत्व दिया है तथा सभी देशों से गुण-अवगुणों के आधार पर लागत-लाभ विश्लेषण से संबंध निर्मित किये जा रहे हैं जैसे- भारत रूस, अमेरिका, इज़राइल सभी से हथियार आयात कर रहा है जो एक दूसरे के विरोधी हैं।

- भारत ने प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए

Scanned by CamScanner

सरस्वती

(लुक ईस्ट पॉलिसी) को बढ़ावा दिया तथा दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ-साथ जापान, कोरिया, आस्ट्रेलिया के साथ सांस्कृतिक व रणनीतिक संबंधों पर जोर दिया गया है)

। भारत की विदेश नीति पहल कारी तथा सक्रियतावादी हो रही है। → उपरोक्त

२१वीं सदी में भारत में विदेश नीति में गुणात्मक परिवर्तन के बजाय मात्रात्मक परिवर्तन रहा है तथा पहले से चली आ रही नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया जा रहा है।

2. (a) Is India's "Look East policy" affected by South China sea dispute. Should India's "Look East policy" be changed in the direction of geo strategic military dimension? Discuss. 20

क्या भारत की 'पूर्व की ओर देखो नीति' दक्षिण चीन सागर विवाद से प्रभावित हो रही है। क्या भारत को 'पूर्व की ओर देखो नीति' भू-राजनीतिक सैन्य दायरे में परिवर्तित किया दिया जाना चाहिए? चर्चा कीजिए।

कृपया इस स्थान में न लिखें। Please do not write anything in this space.

Scanned by CamScanner

स्थान, न लि

Plea, not anyt, this

15

4. (a) Regional Organisation is limiting the role of UNO, comment.
क्षेत्रीय संगठन संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका को सीमित कर रहे हैं। टिप्पणी कीजिए।

वर्तमान विश्व में प्रकार्यवादियों की मान्यता के अनुसार आर्थिक संबंध राजनीतिक संबंधों को प्रेरित करते हैं। संप्रति विश्व में अर्थ-अर्थ का महत्व बढ़ गया है परिणामस्वरूप क्षेत्रीय संगठनों का महत्व बढ़ गया है।

आदर्शवादियों की मान्यता के अनुसार संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व में शांति स्थापना के लिए बनाया गया है। इसमें सभी

स

राज्यों को समान इकाई माना गया है तथा सम्प्रभुता का सम्मान किया गया है।

• यूरोपीय संघ, आसियान, क्रिस्म आदि संगठन अपनी स्वतंत्र आर्थिक एवं सामाजिक नीति बनाते हैं तथा सम्बन्धित राष्ट्र संघ के प्रावधानों की अनदेखी करते हैं।

• SCO तथा इंडियन ओसन रिम एसोसिएशन जैसे संगठन क्षेत्रीय स्तर पर जुड़ाव के नियम बनाते हैं।

• क्षेत्रीय संगठनों के सदस्य राष्ट्रों में मौलिक समझौतों एवं संधियों के कारण UNO का महत्व घट रहा है।

वर्तमान विश्व में राष्ट्र समता मूलक विश्व व्यवस्था की स्थापना करना चाहते हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रभुत्व

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

को बल लाना चाहते हैं।

विश्व में बढ़ते संरक्षणवाद देशों द्वारा UNO के आदेशों की अवहेलना इसका परिणाम है जैसे —

- इजराइल द्वारा फिलीस्तीन में बस्तियाँ बसाने पर UNO के निर्णय का पालन न करना
- उत्तरी कोरिया पर आर्थिक प्रतिबंधों का असर न होना।

UNO की घटती भूमिका यथार्थवादियों की मान्यता को सच करती प्रतीत होती है जिनके अनुसार राष्ट्रीय हितों से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें
Please do not write anything in this space.

4. (b) Discuss briefly the qualitative changes in the UN Peace keeping Operations in the Post-Cold war era. 20

संक्षेप में, शीत युद्ध के बाद के युग में शांति बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र के तरीकों में गुणात्मक परिवर्तन पर चर्चा कीजिए।

शीत युद्ध के बाद विश्व व्यवस्था में अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित हुआ तथा UNO का विश्व में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण रूप से इस्तेमाल किया गया।

UNO के तरीकों में गुणात्मक परिवर्तन!

- शांति सेना के प्रयोग में बढ़ोतरी

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

- समस्याओं को जड़ से मिटाने के लिए विकास एवं आधारभूत जरूरतों का गरीबी मानवीय कुरीतियों समस्याओं गरीबी बेरोजगारी पर ध्यान केंद्रित किया।

- मानवाधिकारों पर बल देकर लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का विकास करना

- आतंकवाद आदि से निपटने के लिए शिक्षा, गरीबी उन्मूलन, कुपोषण कम करने पर जोर

- सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों (MDG) तथा SDG के माध्यम से सतत एवं समावेशी विकास पर जोर आदि

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

शीत युद्ध के बाद UNO उपचार की बजाय रोकने पर बल दे रहा है जो वर्तमान विश्व में समय की माँग भी है।

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

4. (c) Critically examines the role of UN on new global threat. 15

नई वैश्विक खतरे पर संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की जांच कीजिए।

साइबर क्रांति तथा भूमंडलीकरण ने ग्लोबल विलेज की अवधारणा सिद्ध कर दी है। ~~इसके साथ~~ ही तथा आर्थिक प्रगति के नाम पर पर्यावरण के नुकसान ने विश्व के समक्ष नये खतरे प्रस्तुत किये है।

नई वैश्विक खतरे;

- साइबर हमले.

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

• लोन वुल्फ हमले तथा आतंकवाद एवं परमाणु आतंकवाद का खतरा

• जलवायु परिवर्तन

• बढ़ते नृजातीय संघर्ष एवं परिणाम स्वरूप उत्पन्न शरणार्थी समस्या।

• परमाणु हथियारों की पुनः होड़ की चिन्ता

संयुक्त राष्ट्र की इन परिस्थितियों में भूमिका!

• इन परिस्थितियों में UNO की सीमित भूमिका रही है। क्योंकि UNO में सुधार की मांग तथा क्षेत्रीय संगठनों के कारण इसके प्रभाव में कमी आई है।

• सामान्य देशों के सहयोग के बिना

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

UNO जलवायु परिवर्तन व शरणार्थी संकट से निपटने में सफल नहीं हो पाया। अमेरिका का पेरिस समझौते से अलग होना तथा यूरोपीय देशों द्वारा सख्त शरणार्थी नीति अपनाना UNO की कमजोर भूमिका के उदाहरण हैं।

- कोरिया तथा ईरान द्वारा परमाणु हथियार प्राप्त करने तथा ISIS व आतंकवाद रोकने में UNO असफल रहा है।

इस प्रकार बदलते वैश्विक संदर्भों के बीच UNO की ~~बदली~~ नयी भूमिका की जरूरत है जिसमें —

- सदस्य देशों का पूर्ण सहयोग
- जलवायु परिवर्तन पर नतीजे निकालना
- बुरे व अच्छे आतंकवाद के भेद को खत्म

कर प्रभावी भूमिका निभाई जा सकती है तथा आदर्शवादियों की UNO के माध्यम से शांति स्थापना की मान्यता को ~~सिद्ध करती~~ सिद्ध किया जा सकता है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

Section-B

5. Comment on the following in about 150 words each. 10

(a) "No peace, no war" policy of China.
चीन की "शांति नहीं, कोई युद्ध नहीं" नीति।

चीन का आर्थिक शक्ति के रूप में उभार 21वीं सदी की महत्वपूर्ण घटना है। वर्तमान में विश्व चीन-केन्द्रित हो रहा है तथा चीन अपने उद्गमन को चीन का शांतिपूर्ण उदय (Peaceful rising of china) के रूप में प्रस्तुत करता है।

. चीन सीधे युद्ध में उलझने से बचता है परन्तु अपनी विस्तारवादी आक्रामक नीति का पालन करता है जैसे- चीन का दक्षिण चीन सागर में पड़ोसी देशों से विवाद है तथा भारत-रूस व जापान से भी विवाद है। हाल ही में डोकलाम विवाद भी चीन की इसी नीति का परिणाम है।

. चीन शांतिपूर्ण विश्व की स्थापना की बात करता है परन्तु पाकिस्तान का आतंकवाद पर समर्थन करता है (मसूद अजहर पर प्रतिबंध पर UNO में वीटो) तथा

सरस्वती

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

उत्तरी कोरिया के परमाणु कार्यक्रम में परोक्ष सहायता करता है।
इसलिए आलोचकों के अनुसार चीन की यह नीति दिखावटी है तथा चीन वन बेल्ट वन रोड़ के नाम पर सामरिक एवं सैन्य बढ़त हासिल कर रहा है जो यथार्थवादियों के अनुसार चीन की नीति शक्ति अर्जित करने की है।

10

5. (b) Qatar crisis and WTO.
कतर संकट और विश्व व्यापार संगठन।

पश्चिमी एशिया भू-राजनीतिक संघर्षों का क्षेत्र रहा है तथा यहाँ की भूराजनीति सऊदी अरब एवं ईरान के बीच विद्यमान शिया-सुन्नी शीत युद्ध का परिणाम है।

हाल ही में आतंकवाद को समर्थन देने के नाम पर कतर पर सऊदी अरब, UAE व अन्य अरब देशों ने आर्थिक प्रतिबन्ध लगा दिए। कतर की ईरान

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

से नजदीकी को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है।

कतर पर आरोपित आर्थिक प्रतिबंध तथा गैर-प्रशुल्क बाधाएँ WTO के नियमों के विपरीत है तथा WTO के सरल एवं सुगम तथा मुक्त व्यापार के प्रावधानों के विपरीत है।

भू-राजनीतिक संबंधों के बारे में तथा विश्व में संरक्षणवाद के बारे में WTO की भूमिका सीमित होती जा रही है।

शक्तिशाली देशों के उदय तथा आर्थिक समुदायों के निर्माण ने WTO की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए हैं।

कतर संकट ने WTO के व्यापारिक नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन के औचित्य पर सवाल खड़े किए हैं।

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

5. (c) Is Rohingya cross boarder migration illegal or humanitarian crisis? Discuss.
क्या रोहिंग्या सीमा पार प्रवास अवैधानिक है या मानवीय संकट है? चर्चा कीजिए।

"रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय विश्व में सबसे ज्यादा प्रताड़ित समुदाय है" – संयुक्त राष्ट्र संघ रिपोर्ट

रोहिंग्या म्यांमार के राखिने प्रांत के निवासी तथा म्यांमार में मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय के नागरिक है। उन्हे वहाँ की नागरिकता प्राप्त नहीं है तथा सेना द्वारा अत्याचार किया जाता है।

भारत म्यांमार की सुभेद्य सीमा रोहिंग्या अल्पसंख्यकों को भारत में घुसने का मौका देती है जिससे भारत में सांस्कृतिक, आर्थिक एवं सामाजिक टकराव के चलते नकारात्मक प्रभाव पड़ते है।

रोहिंग्याओं को किसी भी देश की नागरिकता प्राप्त नहीं है इसलिए भारत में आने पर उनकी स्थिति को शरणार्थी नहीं कहा जा सकता। दूसरा, भारत की कोई एकसमान शरणार्थी नीति नहीं रही है।

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

निश्चित रूप से रोहिंग्या संकट एक मानवीय संकट है। वर्तमान विश्व में सुरक्षा सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा न होकर मानवीय सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, जलवायवीय सुरक्षा के रूप में व्यापक हुई है।

इंडोनेशिया, मलेशिया, बांग्लादेश व म्यांमार से मिलकर भारत को इस संकट से उबारने का पहल करना चाहिए। भारत का 'ऑपरेशन इंसानियत' इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

5. (d) Space diplomacy of India. 10
भारत के अंतरिक्ष कूटनीति।

आर्थिक व राजनीतिक कूटनीति; डॉलर डिप्लोमेसी के बाद वर्तमान में विश्व में कूटनीति के नये आयाम विकसित हो रहे हैं। भू-अर्थ के बढ़ते महत्व के चलते ग्लोबल कॉमन्स पर प्रभाव को लेकर भी प्रतिस्पर्धा जारी है। भारत की अंतरिक्ष कूटनीति इसका स्वाभाविक परिणाम है।

भारत की अंतरिक्ष कूटनीति :

∴ अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग से पड़ोसी

A-20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

देशों से संबंधों पर बल दिया जा रहा है।

- पड़ोसी देशों को आपदा प्रबंधन; कृषि व खनन में सहायता तथा मौसम विज्ञान के लिए सैटेलाइट सेवा प्रदान करना तथा पड़ोसी देशों में भारत के प्रति विश्वास बहाली करना जैसे भारत का दक्षिण एशियाई सैटेलाइट।

- भारत का अन्य देशों के साथ अंतरिक्ष सहयोग समझौते के माध्यम से संबंधों पर बल दिया जा रहा है। भारत की ISRO एवं जापान की JAXA के बीच समझौता इसका परिणाम है।

- विश्व में अंतरिक्ष शस्त्रीकरण का युग शुरू हो रहा है। ऐसे में पड़ोसी देशों को सुरक्षा गारंटी देने में भारत समर्थ हो सकता है।

21वीं सदी में भारत की अंतरिक्ष कूटनीति भारत को ग्लोबल पॉवर के रूप में स्थापना प्रदान करेगी।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

5. (c) India-Latin America relation are example of South-South Cooperation. Examine. 10

भारत-लैटिन अमेरिका संबंध दक्षिण-दक्षिण सहयोग के उदाहरण के रूप में हैं। परीक्षण कीजिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

स्वतंत्रता के बाद भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाया तथा उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद तथा रंगभेद की नीति का विरोध किया। भारत ने लैटिन अमेरिकी देशों की स्वतंत्रता के लिए जोरदार आंदोलन चलाया। इससे लैटिन अमेरिकी देश भारत के स्वाभाविक सहयोगी बन गए।

• भारत एवं लैटिन अमेरिका के देश में सामाजिक-आर्थिक समानता स्थापित कर समतामूलक विश्व व्यवस्था का निर्माण करना चाहते है। इसलिए 1974 में अंकटाड सम्मेलन में नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था (NIEO) की मांग की तथा दक्षिण-दक्षिण सहयोग के रूप में संबंध आगे बढ़े।

• भारत एवं लैटिन अमेरिकी देशों ने ब्रेटनवुड संस्थाओं की शोषणकारी नीतियों का विरोध का "अनुदान नहीं व्यापार" का नारा दिया।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

1991 के बाद आर्थिक उदारीकरण के दौर में विकासशील देशों ने G-77 एवं दक्षिण-दक्षिण सहयोग के रूप में WTO में एवं जलवायु परिवर्तन समझौतों में साझे हितों के लिए सहयोग किया।

यद्यपि लैटिन अमेरिकी देश भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का समर्थन करते हैं तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत का राजनीतिक समर्थन भी करते हैं परन्तु मूलतः भारत-लैटिन अमेरिका संबंध आर्थिक हितों से प्रेरित अर्थात् दक्षिण-दक्षिण सहयोग पर ही आधारित है।

6. (a) What are the threat of nuclear terrorism and examine its impact on international politics?

15

परमाणु आतंकवाद के भय क्या हैं? वैश्विक राजनीति पर इसके प्रभावों की समीक्षा कीजिए।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

7. (a) Critically examine the importance of BCIM economic corridor for India. 15

भारत के लिए बी.सी.आई.एम. आर्थिक कारिडोर के महत्व की जांच कीजिए।

भारत का उत्तर-पूर्वी क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है तथा भारत पर एक प्रमुख सुरक्षा बोझ बना हुआ है।

भारत के लिए BCIM आर्थिक कॉरिडोर का महत्व:

(1) बांग्लादेश इंडिया चीन व म्यांमार के बीच प्रस्तावित BCIM कॉरिडोर भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र विकास के लिए

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

बाधक साबित हो सकता है।

(2) भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में भौगोलिक दुर्गमता तथा नृजातीय संघर्षों के कारण आर्थिक विकास नहीं हो पाया है इसका प्रमुख कारण कनेक्टीविटी का अभाव रहा है।

(3) यद्यपि चीन का भारत विरोधी रवैया इस प्रोजेक्ट की सफलता पर संदेह लगाता है परन्तु इसके सफलतापूर्वक पहनाने की स्थिति में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की कनेक्टीविटी शेष भारत से आसियान देशों तक हो जायेगी।

(4) भारत-चीन तनाव तथा बांग्लादेश व म्यांमार में राजनीतिक अस्थिरता तथा वित्तीय असमर्थता के कारण इसके क्रियान्वयन की एक चुनौती है।

(5) भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

सरस्व

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com.

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

(6) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में आर्थिक विकास से उग्रवादियों को मुख्य धारा में शामिल करने में मदद मिलेगी तथा माओवाद व नृजातीय संघर्षों में कमी आएगी।

(7) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का विकास इन लोगों में भारत विरोधी भावनाओं को कम कर राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता में वृद्धि करेगा।

BCIM कॉरिडोर भारत की आसियान देशों तक पहुंच बढ़ाकर तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का आर्थिक विकास करने में सहायक होगा तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सुरक्षा क्षेत्र के बजाय विकास के इंजन के रूप में कार्य करेगा।

OBOR

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

7. (b) Can India and China use BRICS to build good relations and strengthen mutual cooperation? Discuss how. 15

क्या भारत और चीन ब्रिक्स का उपयोग अच्छे संबंधों और पारस्परिक सहयोग के लिए कर सकते हैं? चर्चा कीजिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

वर्तमान विश्व विश्व व्यवस्था में राष्ट्र-राज्य संबंध नान जीरो सम गेम पर आधारित है जहाँ साझा हितों एवं साझा लाभों से संबंध प्रेरित होते हैं।

भारत एवं चीन दोनों एशिया के उभरते हुए देश है तथा अभी सदी को एशिया की सदी के रूप में देखा जा रहा है।

BRICS दोनों देशों में संबंधों को अच्छे बनाने का एवं पारस्परिक सहयोग का महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध कराती है। इसे निम्न बिन्दुओं से समझ सकते हैं-

1. BRICS उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक मंच है तथा ब्रेटनवुड्स संस्थाओं का एक विकल्प है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
.Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

भारत एवं चीन ~~सम्बंधि~~ NDB तथा एशियाई इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) के माध्यम से एशिया में साझा आर्थिक लाभ कमा सकते हैं।

(2) BRICS देशों में भारत एवं चीन के बीच सहयोग ब्रेटनवुड संस्थाओं के को संतुलित विश्व अर्थव्यवस्था पर प्रमुख देगा।

(3) आतंकवाद पर - हाल ही में ~~ब्रिक्स~~ BRICS द्वारा let, तहरीके तालिबान (TPP) को आतंकवादियों की प्रतिबंधित सूची में डाला गया है तथा ब्रिक्स सम्मेलन से पूर्व चीन द्वारा डोकलाम का शांतिपूर्ण निपटारा भी दोनों देशों को महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

(4) भारत BRICS में चीन के साथ अपने मतभेदों को मिटाने के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल कर सकता है

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

तथा CPEC एवं सीमा पार आतंकवाद पर समर्थन प्राप्त कर संबंधों को नये स्तर पर ले जाया जा सकता है।

दोनों देशों की भौगोलिक नजदीकी विशाल बाजार एवं जनांकिकीय लाभांश दोनों देशों को साझा लाभ प्रदान कर सकते हैं तथा यूरो-अटलांटिक केन्द्रित विश्व व्यवस्था को एशिया केन्द्रित बनाने में BRICS के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

Ind-USA

7. (c) Critically examines the relevance of North-South dialogue. 20

उत्तर-दक्षिण संवाद की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

सोवियत रूस के विघटन तथा साम्यवादी विचारधारा के पतन के बाद विश्व में उदारवादी अर्थव्यवस्था का व्यापक प्रसार हुआ तथा न्यूनतम राज्य के सिद्धांत के तहत (नवउदारवाद) मुक्त अर्थव्यवस्था का दौर शुरु हुआ।

~~वालर्स्टीन के अर्द्धपरिधि सिद्धांत~~ वालर्स्टीन के व्यवस्था सिद्धांत के तहत डाजेज के देश अर्थात अविकसित या विकासशील देशों का विकसित देशों द्वारा शोषण होता है तथा नोम चोमस्की के अनुसार नव-

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कार्पोरेटवाद ने विश्व में आर्थिक असमानता को बढ़ा दिया है।

• भूमंडलीकरण के कारण विश्व में MNCs का शोषण बढ़ रहा है तथा विश्व में आर्थिक असमानता बढ़ रही है तथा आर्थिक शोषण हो विकासशील देशों का रहा है।

उत्तर -दायित्व विचार आज और भी प्रासंगिक हो जाता है इसे निम्न बिन्दुओं से समझ सकते हैं—

• विकसित देशों द्वारा WTO अर्थात ब्रेटनवुड संस्थाओं से शोषणकारी शर्तों पर अल्पविकसित देशों को ऋण देना

• जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर विकसित देशों द्वारा "साझा परन्तु विभेदकारी उत्तरदायित्व" को स्वीकार न करना

• विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

को तकनीकी सहायता न प्रदान करना तथा रोग-आग्रहों को लेकिन रखना आदि।

अभी हाल ही में मिल सकती (निवेश, व्यापार, विकास) के बढ़ने के कारण उत्तर-दक्षिण सिवा और गहरा हो रहा है तथा अमीर देशों में प्रतिरोध एवं चीन का विरोध देखा जा सकता है; पूंजीवाद की विरोध देखा जा रहा है।

इस प्रकार दक्षिण-दक्षिण सहयोग द्वारा विकासशील देश पेरिस समझौते, किगाली समझौते में छूट प्राप्त करने में सफल रहे हैं अतः उत्तर-दक्षिण संवाद प्रासंगिक है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

8. (a) Discuss the new Global security challenges and its impact on India. 20
नई वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों और भारत पर इसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

परंपरागत रूप में दूसरे राज्यों द्वारा आक्रमण से बचाव प्रमुख सुरक्षा चुनौती रही है वर्तमान में भूमंडलीकरण ने विश्व को ग्लोबल विलेज (मैक लुहान) में बदल दिया है तथा नई सुरक्षा चुनौतियाँ उभर रही है।

नई वैश्विक सुरक्षा चुनौतियाँ:

(1) गैर-राष्ट्रीय आतंकर्ता (आतंकवाद): अलकायदा, ISIS व अफ्रीकी देशों में

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सक्रिय आतंकवादी गुटों ने नयी सुरक्षा चुनौतियों को जन्म दिया है। सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा मिला रहा है। सीरिया, भारत, यमन आदि इस समस्या से ग्रस्त हैं।

(2) लोन वुल्फ हमले; ISIS जैसी राज्य के रूप में स्थापित आतंकवादी संगठनों ने विचारधारा के आधार पर कट्टरता फैलाकर लोन वुल्फ हमले बढ़ा दिए हैं। यूरोपीय देशों (स्पेन के बार्सिलोना) व अमेरिका में घटनाएं बढ़ रही हैं।

(3) साइबर सुरक्षा की चुनौती! साइबर क्रांति के बाद पेट्या, ~~[illegible]~~ व वानाक्राई रैनसमवेयर जैसी चुनौतियाँ उभर रही हैं।

(4) ~~साइबर~~ अंतरिक्ष सुरक्षा की चुनौती; चीन द्वारा अंतरिक्ष शस्त्रीकरण व बढ़ते ग्लोबल कॉमन्स के महत्व के कारण अंतरिक्ष क्षेत्र की सुरक्षा आदि।

(5) मानवीय सुरक्षा के नये आयाम; शरणार्थी संकट (रोहिंग्या) तथा ~~पर्यावरण~~ जलवायु परिवर्तन के कारण मानवीय सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौती

सरस्वती

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

भारत पर प्रभाव:

- सीमापार आतंकवाद से भारत को नुकसान उठाना पड़ रहा है।
- शरणार्थियों के कारण भारत में सामाजिक एवं सांस्कृतिक टकराव बढ़ रहा है तथा उत्तर-पूर्वी राज्य एवं पूर्वी भारत में सुरक्षा बोझ बढ़ रहा है।
- साइबर हमले भारत के डिजीटल भारत एवं ई-गवर्नेंस के समक्ष प्रमुख चुनौती है।
- ISIS के प्रभाव व आतंकवाद से निपटने के लिए भारत को आधारभूत संरचनाओं के बजाय सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।
- नई वैश्विक चुनौतियों को विश्व को नये तरीके से निपटने की आवश्यकता है। इसके लिए बहुआयामी रणनीति के तहत -
- बुरे एवं अच्छे आतंकवाद का भेद खत्म कर विश्व बिरादरी को एकजुट होना
- साइबर सुरक्षा व सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है।

A- 20; 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

8. (b) Discuss the relevance and challenges of Non-Alignment movement in context of Venezuela summit. 15

गुटनिरपेक्षता आंदोलन की प्रासंगिकता तथा चुनौतियों का परीक्षण कीजिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

गुटनिरपेक्षता तीसरे विश्व की सामूहिक आवाज है तथा समतामूलक विश्व व्यवस्था की स्थापना का प्रयास है।

शीतयुद्ध के द्विध्रुवीय विश्व की गुटबाजी से दूर यह स्वतंत्र एवं स्वायत्त विदेश नीति का समर्थक रहा है।

गुटनिरपेक्षता आंदोलन की प्रासंगिकता:

- यह विश्व में शांति एवं स्थायित्व की स्थापना के लिए बनाया गया था तथा वैश्विक संस्थाओं के लोकतांत्रिकीकरण का समर्थक रहा है। यह वर्तमान वेनेजुएला सम्मेलन में UNO एवं IMF में सुधार के लिए प्रयासरत रहा है।
- यह स्वतंत्र विदेश नीति का समर्थन करता है तथा विश्व व्यवस्था में

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

प्रत्येक देश को बराबरी का दर्जा देता है।

- यह विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के शोषण (नव उपनिवेशवाद) का विरोध करता रहा है। नेहरू-गमाल नासिर ने छोटा वालादों को लागू करने तथा WTO में मुख्यधारा पर बल दिया गया है।

इस प्रकार उदारीकरण एवं भू-मंडलीकरण के दौर में उपनिवेशवाद एवं शीत-युद्ध के विकल्प के रूप में यह प्रभावी नहीं है परन्तु स्वतंत्र विदेश नीति एवं समता मूलक विश्व व्यवस्था के लिए यह आज भी प्रासंगिक है जो अमेरिकी विचारकों (फ्रांसिस फुकुयामा) की इस भावना के विरुद्ध है कि वर्तमान में गुटनिरपेक्षता की प्रासंगिकता नहीं है।

चुनौतियाँ:

- सभी देशों में एकजुटता का अभाव। सभी देशों द्वारा राष्ट्रीय हितों के हिसाब से महाशक्तियों से संबंध बना लिए

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

जाते हैं।

- सदस्य देशों की कम रुचि : भारतीय प्रधानमंत्री का वैयक्तिगत सम्मेलन में शामिल न होना इस रूप में देखा जा रहा है।
- क्षेत्रीय व आर्थिक संगठनों की बढ़ती महत्ता गुटनिरपेक्षता को कमजोर कर रही है।

विकासशील देशों को इन चुनौतियों में सिर्फ एकजुटता कायम कर समतामूलक विश्व व्यवस्था के निर्माण का प्रयास करना चाहिए। 15

8. (c) Identify the new global centre of power and causes.

शक्ति के नई वैश्विक केंद्र की पहचान और कारण।

यथार्थवादियों की मान्यतानुसार अंतर्राष्ट्रीय राजनीति शक्ति संघर्ष का खेल है तथा राष्ट्र-राज्य अधिक से अधिक शक्ति प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहते हैं।

19वीं सदी में यूरोप तथा 20वीं सदी में संयुक्त राज्य अमेरिका व सोवियत संघ मुख्य शक्ति के केन्द्र रहे हैं। सन 1991 में सोवियत रूस के पतन के बाद शक्ति को

सरस्वती

Scanned by CamScanner

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

अमेरिका केन्द्रित माना जाता तथा एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का सूत्रपात हुआ।

संप्रति विश्व में शक्ति बहुध्रुवीय है। विश्व व्यवस्था के रूप में विद्यमान है। वर्तमान में शक्ति को केवल आर्थिक सैन्य शक्ति नहीं बल्कि आर्थिक, वैचारिक शक्तियों का समुच्चय माना जा रहा है।

एशिया का आर्थिक शक्ति के रूप में उभार तथा चीन, भारत व जापान की सफल अर्थव्यवस्थाओं ने शक्ति के वास्तविक केन्द्र को अमेरिका से एशिया की ओर उन्मुख किया है।

BRICS देशों की महत्वाकांक्षा; आसियान व यूरोपियन यूनियन जैसे समुदायों ने आर्थिक शक्ति का बहुलीकरण किया है। चीन का नयी सैन्य शक्ति के रूप में उभार भी वैश्विक शक्ति

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

केन्द्र को बदल रहा है।

वर्तमान में वैश्विक शक्ति केन्द्र यूरो - अटलांटिक से एशिया - पैसिफिक की ओर परिवर्तित हो रहा है यह एशिया में चीन व भारत के शांतिपूर्ण उदय का परिणाम है।

जटिल अंतरनिर्भर विश्व व्यवस्था (रॉबर्ट कोहेन व जोसेफ नाई) में शक्ति को बहुध्रुवीय करना ज्यादा न्यायोचित एवं प्रासंगिक होगा।

समाप्त

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

Scanned by CamScanner